काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Workshop on

Non-Positional Leadership

(February 11-12, 2017)

Organized by

प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

BANARAS HINDU UNIVERSITY
Institute of Management Studies

Workshop on
Non-Positional Leadership

(February 11, 2017)

Workshop Schedule

February 11, 2017	
10:00 A.M. - 11:45 A.M.	**Inaugural / Technical Session I**
	• Garlanding of Bust of Pt. Madan Mohan Malaviyaji • Lighting of the lamp • Kulgeet • Bouquet Presentation • Welcome Address : **Prof. Raj Kumar, (Director & Dean, Institute of Management Studies, BHU)** • About the Workshop : **Prof. H.P. Mathur (Workshop Coordinator)** • Keynote Address **:** **Mr. Vijay Rana** Editor, NRIFM, London • Presentation of Mementoes Vote of Thanks: **Prof. S.K. Dubey (IM-BHU)**
11:45 A.M. - 01:15 P.M.	**Technical Session II**
	Dr. B.R. Singh Managing Director, Strategic Management Consultants, Mumbai Session Coordinator: **Dr. Anurag Singh (IM-BHU)**
01:15 P.M. - 02:00 P.M.	**Tea**
02:00 P.M. - 03:15 P.M.	**Technical Session III**
	Mr. Raj Kapur Advisor, JCT Electronics, Delhi Session Coordinator: **Dr. Amit Gautam (IM-BHU)**
03:15 P.M.- 04:15 P.M.	**Technical Session IV**
	Dr. Ashok Gupta Senior Vice-President, IDBI Capital, Mumbai Session Coordinator: **Prof. R.K. Lodhwal (IM-BHU)**
04:15 p.m. - 04:30 p.m.	**Tea**

Master of Ceremonies: **Shruti Maheshwari & Pallavi Kaushal**

Press Release

Institute of Management Studies, Banaras Hindu University organized a workshop on Non-positional leadership. The Workshop commenced with sonorous rendition of kulgeet by the students followed by floral tribute to **Malviya ji**. **Prof. Raj Kumar** Director, Dean and Head of institute welcomed distinguished guests. **Prof. H.P. Mathur, C**oordinator of the Workshop elaborated on the theme and discussed its importance in an organization. In the Inaugural-cum-Technical Session 1, vote of thanks was given by **Prof. S.K. Dubey** (IM-BHU).

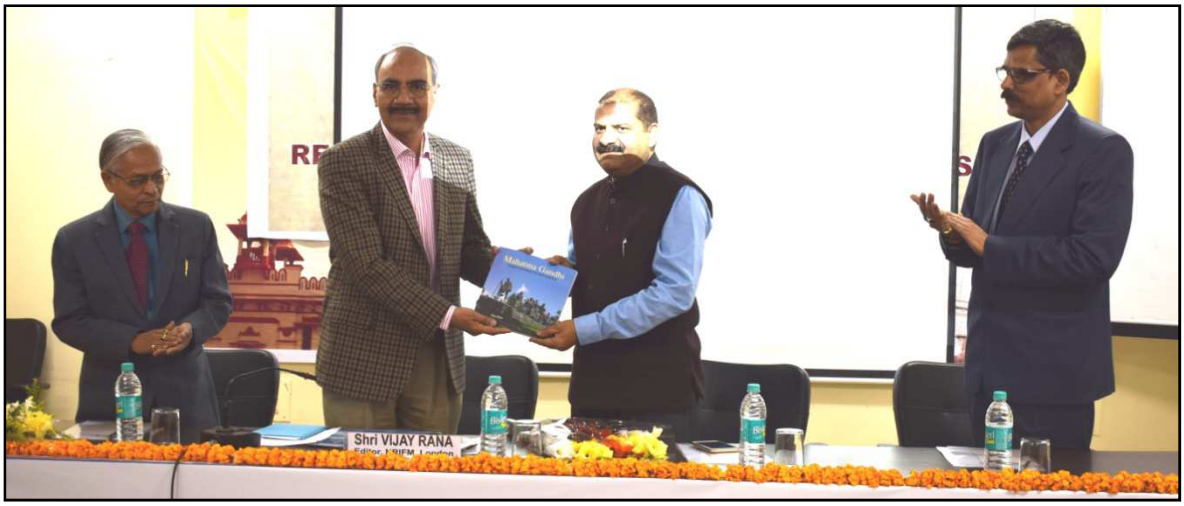

The keynote speaker for the workshop **Mr. Vijay Rana,** Editor, NRIFM, London elaborated on the essence of leadership and pointed out that leadership is not about the title, positions or authorities but the real measures of leadership are results which necessarily does not come through an authoritative position. Actual leadership happens when people get influenced. **Prof. S.K. Dubey** (IM-BHU) proposed the vote of thanks in the inaugural cum- Technical Session1 of the Workshop.

The second technical session was hosted by **Dr. B.R. Singh**, Managing Director, Strategic Management Consultants, Mumbai. Dr. Singh further emphasized on Non positional Leadership approach which focuses on the ability to make positive impact from any place in the organizational hierarchy. Dr. Singh also elaborated on Importance of smiling in changing one's attitude and power of relationship, knowledge and discipline for becoming a successful manager. Dr.Singh also discussed about the mindset for positivity, optimism and success. The coordinator of this session is **Dr. Anurag Singh** (IM-BHU).

The third technical session was engaged by **Mr. Raj Kapur,** Advisor, JCT Electronics who further elaborated on the theme by saying that "leadership is not necessarily about committing large sweeping acts of change, but rather taking on whatever is necessary supportive and administrative tasks-to contributing to group's functioning". Mr. Kapur added Leadership happens when people allow you to influence their lives. The coordinator of this session was **Dr. Amit Gautam** (IM-BHU).

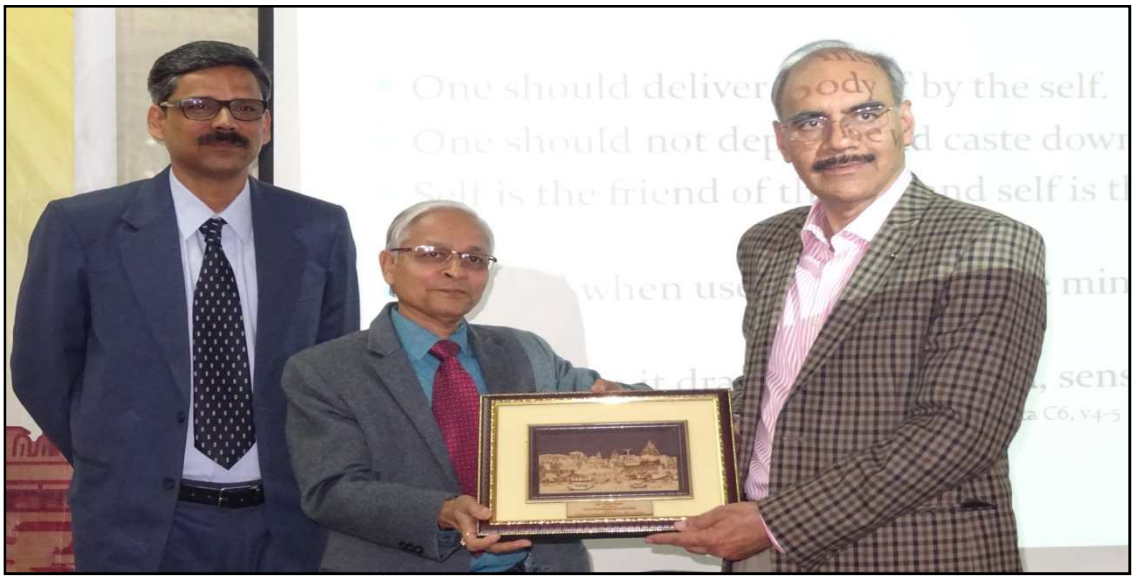

The last technical session was hosted by **Mr. Ashok Gupta,** Senior Vice President, IDBI Capital, Mumbai who elaborated on the importance of positive psychology in one's life which act as one of important ingredient for success. Dr. Gupta added that with right set of skills the required success could be achieved. The coordinator of this session was Prof R.K. Lodhwal (IM-BHU).

The event was well coordinated by **Ms. Drishti Kumud** and **Ms. Pallavi Thacker** and compering was done by Ms. **Shruti Maheshwari** and Ms. **Pallavi Kaushal**.

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबंध शास्त्र संस्थान में "नॉन पोजीशनल लीडरशिप" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अभिवादन भाषण प्रबंध शास्त्र संस्थान के निदेशक तथा डीन **प्रो राज कुमार** द्वारा दिया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन **प्रो एस के दुबे** ने किया। कार्यशाला का समन्वयन विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के कोऑर्डिनेटर **प्रो एच पी माथुर** ने किया तथा नेतृत्व और उससे जुड़े तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया की नेतृत्व किसी पद से जुड़ा नही होता है बल्कि यह एक ऐसा गुण है जो दूसरों के जीवन को प्रभावित करता है।

उदघाटन तथा प्रथम तकनीकी अधिवेशन के मुख्य संबोधक एन.आर.आई.एफ.एम के मुख्य संपादक **श्री विजय राणा** ने 'अध्यात्मिकता' पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि नेतृत्व के लिए नीतिप्रण तथा सही और गलत निर्धारित करने की क्षमता का होना अतिआवश्यक है तथा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण से ही सफलता प्राप्त हो सकती है|

द्वितीय तकनीकी अधिवेशन के समन्वयक **डॉ अनुराग सिंह** रहे तथा मुख्य संबोधक ' स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट कंसल्टेन्ट ' के प्रबंध निदेशक **डॉ बी आर सिंह** थे जिन्होंने 'दूरदर्शिता' पर बात करते हुए कहा कि नेतृत्व के लिए दूरदर्शिता से निर्धारित रणनीति ही सफलता की मुख्य कुंजी होती है।डॉ बी आर सिंह ने यह भी कहा कि सफलता ज्ञान, संबंधों की प्रगाढ़ता, अनुसाशन और रचनात्मकता पर भी निर्भर करती है|

तृतीय तकनीकी अधिवेशन के समन्वयक **डॉ अमित गौतम** रहे तथा मुख्य संबोधक जे सी टी इलेक्ट्रॉनिक के सलाहकार **श्री राज कपूर** थे जिन्होंने नेतृत्व के अनेक पहलूओं पर विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि एक अच्छा नेता बनने के लिए एक अच्छा इंसान बनना महत्त्वपूर्ण है।

चतुर्थ तथा अंतिम अधिवेशन के समन्वयक **प्रो आर के लोधवाल** रहे और मुख्य संबोधक आई डी बी आई कैपिटल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष **श्री अशोक गुप्ता** थे जिन्होंने ' नॉन पोज़िशनल लीडरशिप ' के बारे में बताते हुए कहा कि जरूरत को पहचान कर उसके अनुरूप किये गए कार्य से ही नेतृत्व का जन्म होता है एवं इसके लिए किसी पद या प्राधिकार की आवश्यकता नहीं होती है। श्री अशोक गुप्ता ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कौशल और व्यक्तित्व विकास से ही सफलता हासिल की जा सकती है|

कार्यशाला का संचालन **श्रुति माहेश्वरी** एवं **पल्लवी कौशल** ने किया तथा समन्वय में **पल्लवी ठक्कर** एवं **दृष्टि कुमुद** ने मुख्य भूमिका निभाई।

Media coverage of the Workshop

रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया न जरिया
रविवार, 12 फरवरी 2017, वाराणसी, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर

सकारात्मक दृष्टिकोण से ही सफलता: विजय

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

बीएचयू के प्रबंध शास्त्र संस्थान में नॉन पोजीशनल लीडरशिप पर शनिवार को कार्यशाला हुई। एनआरआईएफएम के मुख्य सम्पादक विजय राणा ने अध्यात्मिकता पर कहा कि नेतृत्व के लिए नीतिप्रण तथा सही और गलत का फर्क करने की क्षमता का होना आवश्यक है। जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण से ही सफलता प्राप्त हो सकती है।

प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. एचसी माथुर ने विषय स्थापना की। उद्घाटन अभिवादन संस्थान के निदेशक प्रो. राजकुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एसके दुबे ने किया।

इसके बाद दूसरे तकनीकी अधिवेशन मे स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट कंसल्टेंट के प्रबंध निदेशक प्रो. बीआर सिंह ने दूरदर्शिता पर विचार व्यक्त किये। डॉ. बीआर सिंह ने यह भी कहा कि सफलता ज्ञान, संबंधों की प्रगाढ़ता, अनुसाशन और रचनात्मकता पर भी निर्भर करती है। इस सत्र का समन्वय डॉ. अनुराग सिंह ने किया। इसके बाद जेसीटी इलेक्ट्रानिक्स के सलाहकार राज कपूर ने कहा कि एक अच्छा नेता बनने के लिए एक अच्छा इंसान बनना महत्त्वपूर्ण है। समन्वय डॉ. अमित गौतम ने किया। अंतिम सत्र में आईडीबीआईर कैपिटल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि जरूरत को पहचान कर उसके अनुरूप किये गए कार्य से ही नेतृत्व का जन्म होता है। इसके लिए किसी पद या प्राधिकार की आवश्यकता नहीं होती है। समन्वय प्रो. आरके लोधवाला ने किया। संचालन श्रुति माहेश्वरी व पल्लवी कौशल ने किया।

कार्यशाला

- बीएचयू के प्रबंधशास्त्र संस्थान में नॉन पोजिशनल लीडरशिप पर चर्चा
- कई सत्रों में सफलता के लिए विविध आयामों पर बोले विशेषज्ञ

inext
वर्ष 46 अंक 90
Pages 12
Varanasi, Sunday, 12 February 2017

लीडर में गुणों का होना जरूरी

BHU में 'नॉन पोजीशनल लीडरशिप' पर हुई workshop में बोले experts

VARANASI (11 Feb): इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बीएचयू में शनिवार को 'नॉन पोजीशनल लीडरशिप' पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया. इसमें यूनिवर्सिटी प्लेसमेंट सेल के कोऑर्डिनेटर प्रो. एचपी माथुर ने कहा कि लीडरशिप किसी पद से जुड़ा नहीं होता. यह एक ऐसा गुण है जिससे दूसरों के जीवन को भी संवारा जा सकता है.

दूरदर्शिता है सफलता की कुंजी

वर्कशॉप में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में विजय राणा ने कहा कि नेतृत्व करने के लिए नीतिप्रद तथा सही और गलत को निर्धारित करने की क्षमता का होना आवश्यक है. इसके साथ ही सकारात्मक दृष्टिकोण का भी होना जरूरी है, इससे सफलता मिलती है. वहीं डॉ. अनुराग सिंह ने कहा कि नेतृत्वकर्ता के लिए दूरदर्शिता सफलता की कुंजी होती है. जबकि डॉ. बीआर सिंह ने कहा कि सफलता ज्ञान, संबंधों की प्रगाढ़ता, अनुशासन और रचनात्मकता पर निर्भर करती है. लीडर को जनता की समस्याओं को जानने के बाद उसके दूर करने के लिए अपनी ओर से पूरा प्रयास करना चाहिए. इस अवसर पर डॉ. अमित गौतम, राज कपूर, प्रो. आर केलोधवाल, अशोक गुप्ता आदि ने विचार रखे. स्वागत डायरेक्टर प्रो. राज कुमार, संचालन श्रुति माहेश्वरी, पल्लवी, दृष्टि एवं कुमुद और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एसके दुबे ने किया.

दैनिक जागरण
वाराणसी, 12 फरवरी 2017

दूसरे के भी जीवन को संवारती है नेतृत्व क्षमता

वाराणसी : प्रबंध शास्त्र संस्थान बीएचयू के सभागार में शनिवार को 'नॉन पोजीशनल लीडरशिप' पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. एचपी माथुर ने कहा कि नेतृत्व किसी पद से जुड़ा नहीं होता। नेतृत्व एक ऐसा गुण हैं जिससे दूसरों के जीवन को भी संवारा जा सकता है। मुख्य वक्ता विजय राणा ने कहा कि नेतृत्व के लिए नीतिप्रद तथा सही और गलत को निर्धारित करने की क्षमता का होना आवश्यक है।

SUNDAY TIMES OF INDIA, VARANASI
FEBRUARY 12, 2017

Workshop on leadership: Institute of Management Studies, BHU will organize a workshop on 'Non-Positional Leadership' on Saturday. A national meet of BHU management alumni association will be held on Sunday.

दैनिक भास्कर
SUNDAY

नेतृत्व कला पद की मोहताज नहीं

भास्कर ब्यूरो वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबंध शास्त्र संस्थान में आयोजित नॉन पोजीशनल लीडरशिप विषयक कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि नेतृत्व किसी पद से जुड़ा नहीं होता है बल्कि यह एक ऐसा गुण है। जो दूसरों के जीवन को प्रभावित करता है। एक अच्छा नेता बनने के लिए एक अच्छा इंसान बनना महत्त्वपूर्ण है। उन्होने कहा कि नेतृत्व के लिए नीतिप्रण तथा सही और गलत निर्धारित करने की क्षमता का होना अति आवश्यक है तथा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण से ही सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार विजय राणा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न सत्रों में डॉ अनुराग सिंह,स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट कंसल्टेन्ट के प्रबंध निदेशक डॉ बीआर सिंह, डॉ अमित गौतम, राज कपूर आदि ने सम्बोधित किया।

अमर उजाला
वाराणसी
रविवार, 12 फरवरी 2017

नेतृत्व के लिए सही-गलत के निर्धारण की क्षमता जरूरी

वाराणसी (ब्यूरो)। बीएचयू प्रबंध शास्त्र संस्थान में 'नॉन पोजीशनल लीडरशिप' पर शनिवार को कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि एनआरआईएफएम के मुख्य संपादक विजय राणा ने कहा कि नेतृत्व के लिए सही और गलत के निर्धारण की क्षमता होनी चाहिए। स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट कंसल्टेंट के प्रबंध निदेशक डॉ. बीआर सिंह, आईडीबीआई कैपिटल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स के सलाहकार राज कपूर ने भी विचार रखे। संस्थान के निदेशक प्रो. राजकुमार ने स्वागत, प्रो. एचपी माथुर ने संयोजन और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एसके दुबे ने किया। संचालन श्रुति माहेश्वरी, पल्लवी कौशल, पल्लवी ठक्कर और दृष्टि कुमुद ने किया।